आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 22 लखनऊ, सोमवार 14 सितम्बर से 20 सितम्बर, 2020 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

कोविड–19 के प्रोटोकॉल के बीच लखनऊ के 72 केन्द्र व प्रदेश भर में 320 केन्द्रों पर नीट का आयोजन

लखनऊ। देश में कहीं पर भी मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन के लिए रविवार को राजधानी समेत पूरे प्रदेश में नेशनल इलिजिब्लिटी एंट्रेस टेस्ट (नीट २०२०) का आयोजन किया गया। नीट की शुरुआत के दौरान कोई भी परीक्षार्थी कोरोना की चपेट में न आने पाए इसके लिए केन्द्रों पर सभी परीक्षार्थियों को करीब डेढ़ घंटे पहले बुलाया ताकि केन्द्र में प्रवेश के लिए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो सके। लखनऊ के ७२ केन्द्र व प्रदेश भर में ३२० केन्द्रों पर ये परीक्षा आयोजित हुई। लेकिन परीक्षा शुरू होने के दौरान कई परीक्षार्थियों में कोरोना का खौफ भी देखने को मिला। ऐसे में लखनऊ में १२ प्रतिशत परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी हैं। यहां करीब ३६ हजार परीक्षार्थियों को शामिल होना प्रस्तावित था। लेकिन १२ प्रतिशत परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी हैं। हालांकि शहर समन्वयक अवनी कमल ने बताया कि दोपहर २ बजे से लेकर शाम ५ बजे के बीच परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। वैसे लखनऊ में ३६ हजार और पूरे प्रदेश में १ लाख ६६ हजार ५८२ परीक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल होने था, इसमें काफी संख्या में छात्रों ने परीक्षा छोड़ दी है। शहर के चाराबाग स्थित बाल विद्या

को नीट के लिए परीक्षा केन्द्र बनाया गया था। यहां परीक्षार्थियों को डेढ़ घंटे पहले ही बुला लिया गया था। वहीं छात्रों को केन्द्र के बार ६ फिट की दूरी पर खड़ा किया था, ऐसे में एक लंबी लाइन भी लग गई। परीक्षार्थियों ने बतायाघ कि कोविड–१९ से बचाव के लिए परीक्षा से जुड़े नियमों को मानने की हम सबकी जिम्मेदारी है। नीट में कई परीक्षार्थी ऐसे भी रहे जो नहीं शामिल हो सके, इसके लिए परीक्षार्थियों ने जमकर हंगामा किया। मलिहाबाद स्थित एमपीबी पब्लिक कॉलेज में करीब दो दर्जन परीक्षार्थियों को परीक्षा से वंचित कर दिया गया। दरअसल यहां पर ये परीक्षार्थी तय समय से नहीं पहुंचे थे। ऐसे में इन्हे केन्द्र के भीतर प्रवेश नहीं दिया गया। परीक्षार्थी मयंक जोशी का आरोप है कि परीक्षा केन्द्र खोजने मे उनको समय लग गया ऐसे में परीक्षा छूट गई। वहीं एक छात्र ने बताया कि २० मिनट हम लेट से पहुंचे ऐसे में हमें परीक्षा से वंचित होने पड़ा, इसके अलावा भी कई ऐसे परीक्षार्थी थे जिनकी परीक्षा छूटी है। हालांकि परीक्षार्थियों ने भी बताया कि गूगल की लोकेशन भी सही नहीं थी, परीक्षार्थियों का आरोप था कि एसडीएम से गुहार लगाने के बाद भी प्रवेश नहीं दिया गया। केन्द्रों पर प्रवेश से पहले परीक्षार्थियों की गहनता से चेकिंग हुई। कई परीक्षार्थी ऐसे भी थे जिनके पास बैग थे उनको गेट पर ही जमा करवा लिगा गया। इसके साथ ही परीक्षार्थियों की तलाशी भी ली गयी। इस दौरान परीक्षार्थियों को थर्मल स्कैनिंग के साथ ट्रैम्प्रेचर भी मापा गया। पारा के अवध कॉलीजिएट में सोशलघ डिस्टेसिंग का पालन होता नहीं दिखाई दिया। यहां पर परीक्षार्थी अंदर प्रवेश करते समय काफी समय एक साथ दिखे।

रघुवंश प्रसाद की आखिरी चिट्ठी में बताए कार्य उतरेंगे जमीन पर : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बिहार में पेट्रोलियम क्षेत्र की तीन प्रमुख परियोजनाओं का लोकार्पण करने के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री रघुवंश प्रसाद सिंह के निधन पर शोक जताया। उन्होंने रघुवंश प्रसाद को जमीन से जुड़ा और गरीबी को समझने वाला व्यक्ति बताया। कहा कि बिहार के लिए संघर्ष में पूरा समय बिताने वाले रघुवंश बाबू के जाने से बिहार और देश की राजनीति में शून्य पैदा हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने एम्स में भर्ती होने के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लिखे आखिरी पत्र की बातें को पूरा करने पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री

को चिट्ठी लिखकर विकास के कार्यों की सूची भी दी थी। बिहार के लोगों और बिहार की चिंता चिट्ठी में थी। मैं नीतीश कुमार से आग्रह करता हूं कि अपनी आखिरी चिट्ठी मे उन्होंने जो भावनाएं प्रकट कीं, उसे परिपूर्ण करने के लिए आप और हम मिलकर पूरा प्रयास करें। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान उनसे अपने संपर्क को भी याद किया। कहा कि भाजपा संगठन में काम करने के दौरान उनसे नजदीक का परिचय रहा। जब वह केंद्रीय मंत्री थे तो मैं गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर संपर्क में था। रघुवंश की चिट्ठी में क्या थीं मांगें? रघुवंश प्रसाद सिंह ने बीते दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर बिहार को लेकर कई मांगें कीं थीं। मसलन, १५ अगस्त को मुख्यमंत्री पटना में और राज्यपाल विश्व के प्रथम गणतंत्र वैशाली में राष्ट्रध्वज फहराएं।

राहुल ने नीट में शामिल हो रहे छात्रों को शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मेडिकल की प्रवेश परीक्षा नीट (राष्ट्रीय प्रवेश सह पात्रता परीक्षा) में बैठ रहे छात्रों को आज शुभकामनाएं दीं और साथ ही कोविड–१९ महामारी तथा बाढ़ के कारण इस परीक्षा में नहीं बैठ पाए छात्रों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए कहा कि काश वह जेईई–नीट अभ्यर्थियों की चिंता करते। गांधी ने ट्विटर पर लिखा, "नीट परीक्षा में शामिल हो रहे विद्यार्थियों को मेरी शुभकामनाएं और जो छात्र कोविड–१९ महामारी तथा बाढ़ के कारण इस परीक्षा में नहीं बैठ सके, उनके प्रति मेरी सहानुभूति। उन्होंने आगे लिखा, "काश मोदी जी जेईई–नीट अभ्यर्थियों और छात्रों की भी उतनी ही परवाह करते जितनी कि वह अपने सांठगांठ वाले पूंजीपति मित्रों की करते हैं। गांधी और कांग्रेस पार्टी नीट एवं जेईई परीक्षा को स्थगित करने की मांग कर रहे थे। उनका कहना था कि महामारी के कारण बने हालात इन परीक्षाओं को आयोजित करने के लिहाज से अनुकूल नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे समय में परीक्षा आयोजित करना उनके जीवन को खतरे में डालना है। परीक्षा का आयोजन करने वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनएटी) ने कहा कि सामाजिक दूरी कायम रखने के लिए परीक्षा केंद्रों की संख्या २,५४६ से बढ़ाकर ३,८४३ की गई है जबकि हर कमरे में बैठने वाले अभ्यर्थियों की

संख्या २४ से घटाकर १२ की गई है। राष्ट्रीय प्रवेश सह पात्रता परीक्षा (नीट) कलम एवं पेपर पर आधारित परीक्षा है जबकि इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई मुख्य परीक्षा ऐसी नहीं थी । कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण नीट को दो बार पहले टाला जा चुका है। यह परीक्षा ३ मई को होनी थी और फिर बाद में इसे २६ जुलाई के लिए आगे बढ़ा दिया गया था। अब यह परीक्षा रविवार १३ सितंबर को आयोजित की जा रही है। नीट परीक्षा के लिए १५.६७ लाख छात्रों ने पंजीकरण कराया है।

फिर से एम्स में भर्ती हुए अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को अस्पताल से डिस्चार्ज होने के दो हफ्ते बाद ही फिर से एम्स में भर्ती कराया गया है। सांस लेने में दिक्कत होने के बाद उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया है। हालांकि अस्पताल ने अब तक इसकी पुष्टि नहीं की है। सूत्रों ने बताया कि शाह को रात लगभग ११ बजे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें सीएन टॉवर में रखा गया है, जो वीवीआईपी के लिए आरक्षित सुविधा है। शाह का इलाज एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया कर रहे हैं और

उनकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। बता दें कि शाह पिछले एक महीने से कोविड–१९ के बाद की समस्याओं से पीड़ित हैं। कोविड–१९ से उबरने के कुछ दिन बाद ही उन्हें १८ अगस्त को एम्स में भर्ती कराया गया था। २ अगस्त को शाह की कोविड परीक्षण रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी और उनका गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में इलाज हुआ था। इसके बाद १४ अगस्त को उनका परीक्षण नेगेटिव आने के बाद उन्हें डिस्चार्ज किया गया था और फिर १८ अगस्त को सांस लेने में समस्या होने पर एम्स में भर्ती कराया गया था।

सम्पादकीय

कोरोना के कारण अधिवक्ताओं के लिए रोजी-रोटी का संकट

कोरोना की महामारी से भारतीय न्याय व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। देश के ज्यादातर हिस्सों में अभी भी कोर्ट परिसर अपेक्षोंत सूने नजर आते हैं। जहां लॉकडाउन है, वहां स्थिति ज्यादा खराब है। वहां तो लगभग सन्नाटा ही छाया हुआ है। अधिकतर जगहों पर वर्चुअल कोर्ट के जरिए दलीलें सुनी गईं और फैसले किए गए हैं। लेकिन इससे अधिवक्ताओं और उनसे जुड़े अन्य पेशेवर लोगों को कोई खास लाभ नहीं हुआ है। नतीजतन इनके समक्ष रोजी–रोटी का संकट आ खड़ा हुआ है। उनका आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। संभवतः इसीलिए ज्यादातर अधिवक्ताओं ने वर्चुअल कोर्ट का विरोध करना शुरू कर दिया है। बार काउंसिल अफ इंडिया (बीसीआई) ने भी सुप्रीम कोर्ट तथा उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश से कोरोना प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए कोर्ट में सुनवाई शुरू करने की अपील की है। वकीलों की बड़ी तादाद निचली अदालतों में है। ये अदालतें देश भर में फैले जिलों और तहसीलों में हैं। ज्यादातर शहरों के बाजार ऐसे नहीं हैं, जहां कंप्यूटर और डिजिटल तकनीक से जुड़े दूसरे उपकरण आसानी से मिलें। इसलिए इन अदालतों में मुकदमों की पैरवी करने वाले वकीलों के लिए वर्चुअल व्यवस्था में ढलना टेढ़ी खीर साबित हो रही है। एक तो वे डिजिटल दुनिया से बहुत परिचित नहीं हैं और दूसरे संसाधनों का भी अभाव है। बहुसंख्यक वकीलों की आर्थिक स्थिति रोज के मुकदमों की सुनवाई पर निर्भर करती है। गौरतलब है कि मुकदमों की पैरवी से मिलने वाली फीस ही अधिकतर वकीलों के जीविकोपार्जन का साधन होता है। लकडाउन के कारण फिजिकल फाइलिंग और हियरिंग नहीं होने से केस डिस्पोजल रेट काफी कम हो गया है। पहले ही मुकदमों का अंबार था। अब स्वाभाविक है, लंबित मुकदमों की संख्या काफी बढ़ जाएगी। इससे अगले कई साल तक अदालतों की कार्यवाही प्रभावित होगी। आर्थिक संकट का सामना तो वकीलों को करना ही पड़ेगा। जहां तक अदालतों में वर्चुअल सिस्टम के तहत मामलों की सुनवाई का सवाल है, तो हाई कोर्टों में जहां रोजाना चार–पांच सौ मामलों की सुनवाई होती थी, उसकी जगह वहां बमुश्किल अभी करीब सौ–सवा सौ मामलों की सुनवाई हो पाती है। इस वजह से एक तरफ जहां लंबित मुकदमों की संख्या बढ़ती जा रही है वहीं दूसरी तरफ हम वकीलों की आमदनी भी प्रभावित हो रही है। यही वजह है कि आम वकीलों के सामने रोजी–रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

ओडीओपी स्टोर चलाने वालों को सहायता देंगे योगी

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ की सरकार अब उन कारीगरों को वित्तीय सहायता देगी, जिनके उत्पादों को राज्यभर में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) खुदरा स्टोरों पर प्रदर्शन और बिक्री के लिए चुना गया है। ओडीओपी योजना के तहत चुने गए उत्पादों को ओडीओपी खुदरा स्टोरों में प्रदर्शित किया जाएगा। इन स्टोरों को राज्यभर में खोला जाएगा। वहीं राज्य के बाहर इन उत्पादों का प्रदर्शन हवाईअड्डों और रेलवे स्टेशनों के स्टोरों तक ही सीमित रहेगा। यह परियोजना कैबिनेट की मंजूरी पाने के लिए पूरी तरह तैयार है। एमएसएमई के अतिरिक्त मुख्य सचिव नवनीत सहगल ने कहा कि राज्य सरकार बड़े पैमाने पर उत्पादों की ब्रांडिंग की योजना बना रही है। सरकार आवेदकों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।

योगी सरकार दिल्ली और मुंबई हवाईअड्डों पर ओडीओपी दुकानों के संचालन के लिए प्रत्येक को ५ लाख रुपये और इन दो महानगरों में रेलवे स्टेशनों पर दुकानों के लिए २ लाख रुपये की वित्तीय सहायता देगी। वहीं, उप्र में सरकार पंचायत क्षेत्र में स्टोर के लिए ४०,००० रुपये, नगरपालिका में ६०,००० रुपये और नगर निगम की सीमा में १ लाख रुपये देगी। ओडीओपी स्टोर शपिंग मल, छावनी क्षेत्रों, रेलवे स्टेशनों, हवाईअड्डों और अन्य स्थानों में काम कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए कम से कम १०० वर्ग मीटर का क्षेत्र होना चाहिए। ड्राफ्ट पलिसी के अनुसार, कोई भी इस योजना के तहत आवेदन कर सकता है। समझौता तीन साल के लिए होगा। योगी सरकार ने जनवरी २०१८ में ओडीओपी योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत ७५ स्वदेशी उत्पादों (राज्य के सभी ७५ जिलों में से एक) की पहचान की गई है।

निर्धारित पैकेज में निजी अस्पताल करें कोरोना संक्रमितों का इलाज : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्राइवेट अस्पतालों द्वारा कोविड संक्रमित मरीजों के उपचार के लिए निर्धारित पैकेज के अनुसार ही धनराशि ली जाए। अनलक व्यवस्था की समीक्षा बैठक में योगी ने रविवार को कहा कि लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज, कानपुर और मेरठ में संक्रमण की स्थिति को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। लखनऊ में कोविड अस्पताल बनाये गये सभी प्राइवेट अस्पतालों द्वारा संक्रमित मरीजों के लिए मानक के अनुरूप स्तरीय सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होने कहा कि सभी कोविड अस्पतालों में पीपीई किट, मास्क, ग्लव्ज, सेनिटाइजर आदि की उपलब्धता निरन्तर बनी रहे। कोविड अस्पतालों में आक्सीजन की आपूर्ति निरन्तर बनाये रखने की प्रभावी व्यवस्था की जाए। आक्सीजन की उपलब्धता ४८ घण्टे के बैकअप के साथ रहनी चाहिए। आक्सीजन की कालाबाजारी प्रत्येक दशा में रोकी जाए। ऐसी गतिविधियों में संलग्न व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। योगी ने कहा कि सरकार आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं सुलभ कराने के लिए कृतसंकल्प हैं। कोविड–१९ के संक्रमण से बचाव

व उपचार के लिए राज्य सरकार द्वारा हर सम्भव कदम उठाया जा रहा है हालांकि कोरोना से बचाव के लिए इसके प्रति पूरी सावधानी बरते जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कोविड–१९ के प्रति जागरूकता के लिए पुलिस और प्रशासन मिलकर पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से अभियान चलाएं। मास्क न पहनने वालों के प्रति सद्भावनापूर्ण ढंग से प्रवर्तन कार्रवाई की जाए। इसका उद्देश्य लोगों को कोरोना काल में मास्क पहनने के महत्व से परिचित कराना होना चाहिए। प्रदेश में कोविड–१९ के टेस्ट की संख्या ७५ लाख से अधिक होने पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि निरन्तर अधि क से अधिक टेस्ट किये जाएं। जितने अधिक टेस्ट किये जाएंगे, कोविड–१९ के संक्रमण के प्रसार पर उतना ही प्रभावी नियंत्रण किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड–१९ से बचाव व उपचार की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए प्रशिक्षित व कुशल मानव संसाधन को बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। इसके मद्देनजर चिकित्सकों, पैरामेडिक्स तथा अन्य चिकित्सा कर्मियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रशिक्षित कराया जाए। सभी कोविड अस्पतालों में एचएफएनसी (हाई फ्लो नेजल कैन्युला), दवाई आदि सहित सभी आवश्यक वस्तुओं की निरन्तर उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

मुख्तार अंसारी की पत्नी और दो सालों पर गैंगस्टर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बाहुबली विधायक और माफिया सरगना मुख्तार अंसारी की पत्नी और सालों पर गाजीपुर पुलिस ने गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक डा ओपी सिंह ने बताया कि आईएस १९१ के लीडर मुख्तार अंसारी की पत्नी आफसा अंसारी और साले सरजील रजा एवं अनवर शहजाद एक संगठित आपराधिक गिरोह के रूप में अपराध ा करते है जिनके द्वारा छावनी लाइन कोतवाली गाजीपुर में स्थित भूमि गाटा संख्या १६२, जो जिलाधि ाकारी गाजीपुर के आदेशानुसार कुर्कशुदा जमीन पर अवैध कब्जा किया गया। इस सिलसिले में थाना कोतवाली में धारा ३७६.४४७ के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके अलावा इन लोगों ने मौजा बवेरी थाना कोतवाली स्थित

कुर्कशुदा जमीन पर अवैध कब्जा किया। आरोपी सरजील और अनवर ने सरकार ठेका हासिल करने के लिए फर्जी दस्तावेज पेश इन सभी मामलों को देखते हुए तीनों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा लिखा गया है। गौरतलब है कि संगठित अपराध के खिलाफ जारी अभियान में लखनऊ विकास प्राधिकरण ने मुख्तार की डालीबाग स्थित प्रापर्टी ढहा दी थी।

घर लौटे श्रमिकों को काम के अवसर प्रदान करें सरकारें : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने केन्द्र और राज्य सरकारों से अपील की है कि वे घर लौटे उत्तर प्रदेश और बिहार के मनरेगा श्रमिकों को काम के अवसर प्रदान करें। मायावती ने आज ट्वीट किया आँकड़े फिर गवाह हैं कि देश के करोड़ों श्रमिक संघर्षशील जीवन व मेहनत की रोटी खाने की परम्परा पर लगातार डटे हैं। खासकर यूपी व बिहार में घर लौटे प्रवासी श्रमिक मनरेगा के तहत श्रम करके परिवार का पेट जैसे–तैसे पाल रहे हैं।

अतः केन्द्र व राज्य सरकारें उन्हें उचित अवसर जरूर प्रदान करें। एक रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार अब सरकारी नौकरी में बड़े बदलाव की तैयारी में हैं जिसके तहत नई नौकरी पाने वालों की पांच वर्ष तक संविदा पर तैनाती होगी। इन पांच वर्ष के दौरान भी हर वर्ष में छह–छह महीने में उनका मूल्यांकन होगा। उसमें भी हर बार ६० प्रतिशत अंक लाना यानी फर्स्ट डिवीजन में पास होगा बेहद जरूरी होगा। प्रदेश सरकार की अब प्रस्तावित नई व्यवस्था के तहत पांच वर्ष बाद ही मौलिक नियुक्ति की जाएगी।

अपराधी पर शिकंजा कसने के लिए उत्तर प्रदेश स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स का गठन

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक ऐसे पुलिस फोर्स का गठन किया है, जो अभूतपूर्व ताकतों से लैस होगी। यूपी स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स के नाम से गठित किए गई इस फोर्स का नेतृत्व एडीजी स्तर का अधिकारी करेगा। राज्य सरकार ने विशेष सुरक्षा बल गठित करने का आदेश जारी कर दिया है। एक रोडमैप डीजीपी से मांगा गया है।मुख्यमंत्री ने प्रदेश में संगठित अपराध तथा अपराधी पर शिकंजा कसने के लिए उत्तर प्रदेश स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स का गठन किया गया है। योगी आदित्यनाथ कैबिनेट में बीती २६ जून को बाई सर्कुलेशन से पास हुए इस फोर्स के गठन की अधिसूचना गृह विभाग की ओर से जारी कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने २६ जून को इस फोर्स के गठन की घोषणा की थी।उत्तर प्रदेश में उत्तर प्रदेश स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स (यूपीएसएसएफ) का गठन किया गया है। इस फोर्स को प्रदेश की कानून–व्यवस्था को दुरूस्त रखने के काफी अधिकार मिले हैं। प्रदेश में अभी तक कानून–व्यवस्था को दुरूस्त रखने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ पीएसी तथा आरआरएफ को तैनात किया जाता था। अब उत्तर प्रदेश स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स की टीम भी अपराधियों पर अपनी नकेल कसेगी। बिना सरकार की इजाजत के एसएसएफ के अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ कोर्ट भी किसी प्रकरण का संज्ञान नहीं लेगी। प्रदेश में महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों, दफ्तरों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा की

जिम्मेदारी यूपी एसएसएफ के पास होगी। इसके साथ ही प्राइवेट कंपनियां भी पेमेंट देकर इसकी सेवाएं ले सकेंगी। एडीजी स्तर का अधिकारी यूपी एसएसएफ का मुखिया होगा और इसका मुख्यालय लखनऊ में होगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने २६ जून को उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल के गठन को मंजूरी दे दी थी।उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल यानी यूपी एसएसएफ को बिना वारंट गिरफ्तारी का अधिकार होगा। यह फोर्स किसी के भी घर तथा अन्य जगह की बिना वारंट तलाशी ले सकेगी। फोर्स को बिना किसी दबाव के काम करने के लिए अनेक असीमित अधिकार प्रदान किए गए हैं। प्रदेश की यह फोर्स अभूतपूर्व ताकतों से लैस होगी। २६ जून को कैबिनेट बाई सर्कुलेशन से योगी आदित्यनाथ कैबिनेट में पास हुए इस फोर्स के गठन की अधिसूचना गृह विभाग की ओर से जारी कर दी गई है। प्रदेश में शुरुआत में यूपीएसएसएफ की पांच बटालियन गठित होंगी और इसके एडीजी अलग होंगे। यूपीएसएसएफ अलग अधिनियम के तहत काम करेगी। यूपी एसएसएफ को स्पेशल पॉवर दी गई हैं। इसके तहत बल के किसी भी सदस्य के पास अगर यह विश्वास करने का कारण है कि धारा १० में निष्दष्ट कोई अपराध किया गया है या किया जा रहा है और यह कि अपराधी को निकल भागने का, या अपराध के साक्ष्य को छिपाने का अवसर दिए बिना तलाशी वारंट प्राप्त नहीं हो सकता तब वह उक्त अपराधी को निरुद्ध कर सकता है। इतना ही नहीं वह तत्काल उसकी संपत्ति व घर की तलाशी ले सकता है। यदि वह उचित समझे तो ऐसे किसी व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकता है। इसमें शर्त यही है कि उसे यह विश्वास हो कि उसके पास यह वजह हो कि उसने अपराध किया है।

दलित किसान पर हमला करने वालों पर लगेगा एनएसए

लखनऊ। लखनऊ के बाहरी इलाके में मलिहाबाद में ३० वर्षीय अनुसूचित जाति के किसान रामविलास रावत के हमलावरों पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। वहीं, मामले में मलिहाबाद थाने के एसएचओ को लापरवाही बरतने के लिए निलंबित कर दिया गया है। बता दें कि पांचों आरोपियों–गुलाम अली, मुस्तकीम, मुफेद, शानू और गुड्डू ने गुरुवार रात को एक होजपाइप पर अपनी बाइक चला रहे थे। इस पर रावत द्वारा आपत्ति जताने पर अली और उसके साथियों ने रावत पर हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल रावत ने मलीहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। किसान की मौत का पूरे इलाके में जमकर विरोध हुआ और इस दौरान पुलिस सें झड़पें भी हुईं। लखनऊ रेंज के पुलिस महानिरीक्षक लक्ष्मी सिंह ने कहा कि मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा ३०४ के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही अनुसूचित जाति और जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। सिंह ने कहा कि तीन आरोपियों, गुलाम अली, मुस्तकीम और मुफिद को गिरफ्तार किया गया है, जबकि शेष आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए प्रयास

जारी हैं। लखनऊ के जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने शनिवार को मलिहाबाद का दौरा किया और शोक संतप्त परिवार को ५ लाख रुपये का मुआवजा दिया। साथ ही मृतक किसान की विधवा सुमन देवी को आश्वासन दिया कि परिवार को ग्रामीण आवास योजना के तहत घर दिया जाएगा और रावत की विधवा और पिता को पेंशन दी जाएगी। उन्होंने परिवार को यह भी आश्वासन दिया कि हमले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और उन पर एनएसए के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

50 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर सुरेंद्र कालिया कोलकाता से गिरफ्तार

लखनऊ। पुलिस गनर पाने के लिए खुद पर हमला करवाने और गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार हो चुका लखनऊ का हिस्ट्रीशीटर सुरेंद्र कालिया पश्चिम बंगाल के कोलकाता में छिपा पाया गया।लखनऊ के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सोमेन बरमा ने संवाददाताओं से कहा, "कोलकाता से सुरेंद्र कालिया को रिमांड पर लेने के लिए एक टीम भेजी गई है। कालिया के सिर पर ५०,००० रुपये का नकद इनाम रखा गया है। वह जबरन वसूली का रैकेट भी चलाता है और रेलवे का कॉन्ट्रैक्ट भी लेता है।" कालिया को ३१ अगस्त को जादवपुर थाना क्षेत्र के एक होटल से गिरफ्तार किया गया था। कोलकाता पुलिस ने लॉकडाउन लागू करने के लिए अभियान चलाने के दौरान कालिया पर धावा बोला। कोलकाता के पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वह सुरेंद्र कुमार की झूठी पहचान के साथ होटल में रह रहा था। कोलकाता पुलिस ने सुरेंद्र के कब्जे से एक ९ एमएम की पिस्तौल बरामद की और उस पर आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। कालिया के खिलाफ २० से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसने कथित रूप से आलमबाग इलाके के एक अस्पताल के पास १४ जुलाई को खुद पर हमला कराया था जिसमें उसके निजी गनर रामरूप यादव को चोटें आई थीं। कालिया ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि जेल में बंद माफिया डॉन से राजनेता बने धनंजय सिंह के इशारे पर उसकी जान लेने का प्रयास किया गया। लखनऊ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी, लेकिन बैलिस्टिक रिपोर्ट ने कालिया के झूठ का पदार्फाश कर दिया कि उसकी गाड़ी पर दो हथियारों से १३ राउंड गोलियां चलाई गई थीं, लेकिन मौके से सिर्फ एक गोली का खोखा मिला। कालिया माफिया डॉन अभय सिंह का सहयोगी है। उसके सहयोगी आशीष पांडेय की मार्च २०१६ में लखनऊ में नरेंद्र पहाड़ी के गुर्गों द्वारा एक रेलवे कॉन्ट्रैक्ट के मुद्दे को लेकर गोलीबारी में मौत हो गई थी। लखनऊ के चारबाग और हुसैनगंज में इसी तरह की गोलीबारी में कालिया का भी नाम दर्ज है।

पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को निजी हाथों में देने की पूरी तैयारी

लखनऊ। प्रदेश पावर कार्पोरेशन पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को निजी हाथों में देने की पूरी तैयारी कर चुका है। पवर कार्पोरेशन की ओर से एक दिन दिन पहले पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड से सभी जनपदों के वित्तीय पैरामीटर व तकनीकी पैरामीटर की विस्तृत रिपोर्ट तलब की गई है। प्रबंधन की कोशिश है कि जल्द से जल्द यानि की कोरोना कल में ही पूर्वांचल को निजी हाथों में सौंप दिया जाए। कोरोना काल के प्राइवेटाइजेशन करने में प्रबंधन को आसानी होगी, कारण है कि इस दौरान बिजली संगठनों की ओर से बड़े आंदोलन का अंदेशा कम है। गौरतलब है कि अभी तक किसी भी बिजली संगठन की ओर से निजीकरण को लेकर कोई बड़ी प्रतिक्रया सामने नहीं आई है। संगठन से जुड़े लोगों का मानना है कि ऐसा संगठन की निष्क्रयता के कारण हो रहा है। संगठनों की जो गतिविधि अभी तक दिखी है उससे नहीं लगता है कि वे पूर्वांचल के निजीकरण को लेकर बहुत ज्यादा गंभीर हैं और न ही आंदोलन के मूड में है। हालांकि संगठन के कुछ नेता नेता, कर्मचारी और पदाधिकारियों के बयान जरूर सामने आए हैं। कुछ समय पहले तक प्रदेश पवर कार्पोरेशन के लगभग सभी संगठनों को एक मंच पर लाने वाले विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से संदेशात्मक आंदोलन पूरे प्रदेश में जरूर किया गया था, लेकिन उसके बाद से समिति की ओर से कोई भी गतिविधि सामने नहीं आई है। हालांकि समिति के पदाधिकारियों की ओर से दावा किया जा रहा है कि निजीकरण को किसी भी स्तर से नहीं होने दिया जाएगा। बता दें कि निजीकरण सहित अवर अभियंता संवर्ग के तमाम समस्याओं को लेकर राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन की ओर

से आठ सितंबर से लेकर १० सितंबर तक यानि की ४८ घंटे के लिए सत्याग्रह सहयोग आंदोलन किया गया था। इस दौरान संगठन की ओर से ४८ घंटे का अनवरत काम कर प्रबंधन को सकारात्मक संदेश देने की कोशिश की गई थी। इस दौरान आंदोलन के समाप्त होने के बाद संगठन की ओर से जल्द ही बड़े आंदोलन की बात कहीं गई थी लेकिन दो दिन बीत गए अभी तक संगठन के आंदोलन की कोई सुगबुगाहट नहीं है। जबकि पवर कार्पोरेशन प्रबंधन की ओर से पूर्वांचल के सभी जनपदों के वित्तीय पैरामीटर व तकनीकी पैरामीटर की विस्तृत रिपोर्ट तलब कर ली गई है। पॉवर कार्पोरेशन की ओर से एक दिन दिन पहले पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड से सभी जनपदों के वित्तीय पैरामीटर व तकनीकी पैरामीटर की विस्तृत रिपोर्ट तलब की गई है। इस पर राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद की ओर से सवाल खड़े कर दिए गए हैं। परिषद की ओर से कहा गया कि प्रबंधन की ओर से गुपचुप तरीके से निजीकरण की तैयारी चल रही है। पूर्वांचल में स्टोर की स्थित सब स्टेशनों की सूचना, फिक्स्ड रजिस्टर इन्वेंट्री सहित अनेक सूचना मांगने का सीधा तात्पर्य है कुछ तो गड़बड़ है।परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि निजीकरण की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं परिषद की ओर से यह भी दावा किया जा रहा है कि पावर कार्पोरेशन के मंसूबे को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। पावर कार्पोरेशन को सबसे पहले नियामक आयोग आदेशानुसार प्रदेश की जनता को बताए कि की निजीकरण जनता के हित में कैसे है। अभी टोरेंट पावर की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। अनुबंध के शर्तों को लागू करने में टोरेंट फेल हो गई है।

रघुवंश प्रसाद सिंह के निधन पर नायडू ने जताया शोक

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री और वरिष्ठ नेता रघुवंश प्रसाद सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। नायडू ने रविवार को

एक संदेश में कहा कि वह एक प्रबुद्ध सांसद और लोकप्रिय राजनैतिक कार्यकर्ता थे। वह अपने लंबे और यशस्वी सार्वजनिक जीवन में दुर्बल वर्गों के हितों और ग्रामीण विकास के सशक्त स्वर थे। उन्होंने कहा, ग्रामीण विकास के लिए मनरेगा जैसे कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में रघुवंश बाबू का योगदान सदैव याद किया जायेगा। उन्होंने कहा "शोक संतप्त परिजनों, समर्थकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना ओम शान्ति!

दिल्ली हिंसा मामले में येचुरी का नाम, कांग्रेस संसद में उठाएगी मुद्दा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने दिल्ली हिंसा के एक मामले में दिल्ली पुलिस की सप्लीमेंट्री (पूरक) चार्जशीट में माकपा महासचिव सीताराम येचुरी और अन्य विपक्षी नेताओं का नाम शामिल किए जाने की आलोचना की है और कहा है पार्टी इस मुद्दे को संसद में उठाएगी। अन्य विपक्षी दल भी सोमवार को संसद के मानसून सत्र के दौरान यह मुद्दा उठाएंगे। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, "हम निश्चित रूप से यह मुद्दा उठाने जा रहे हैं, क्योंकि यह आधिकारिक मशीनरी के दुरुपयोग का मामला है। पार्टी गैर–राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) नेताओं के साथ बातचीत कर रही है और एक संयुक्त रणनीति पर काम कर रही है। कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद, अहमद पटेल और रमेश ने इस मामले पर सभी विपक्षी राजनीतिक दलों से बात की है। दिल्ली पुलिस ने मार्क्ष्सवादी

कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी, स्वराज इंडिया के नेता योगेंद्र यादव, जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद और अन्य को दिल्ली हिंसा के मामले में चार्जशीट में नामजद किया है। येचुरी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, "दिल्ली पुलिस गृह मंत्रालय के अधीन है। इसकी गैर–कानूनी गतिविधियां भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की राजनीति का सीधा परिणाम हैं। वे मुख्यध ारा के राजनीतिक दलों द्वारा वैध ा शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन से डरते हैं और विपक्ष को निशाना बनाने के लिए सत्ता का दुरुपयोग कर रहे हैं। इन लोगों को इस मामले की आरोपी देवांगना कलिता, नताशा नरवाल और गुलफिशा फातिमा द्वारा किए गए खुलासे के बाद नामजद किया गया। तीनों को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि उत्तर–पूर्वी दिल्ली में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के समर्थकों और विरोधियों के बीच हुई झड़प के बाद २४ फरवरी को हिंसा भड़क उठी थी।

जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के बीच देश के लोगों को फिर आगाह किया है। उन्होंने दो गज

की दूरी रखने की पुरानी नसीहत दोहराते हुए उसे नारे की शक्ल में कहा है। उन्होंने कहा है– दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी। प्रधानमंत्री ने देश के लोगों को कोरोना वायरस के प्रति लापरवाही नहीं बरतने की सलाह देते हुए कहा–जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं। प्रधानमंत्री ने शनिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएमएवाई ग्रामीण योजना के तहत मध्य प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में बने एक लाख ७५ हजार घरों के लोगों के गृह प्रवेश के ऑनलाइन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री ने मंत्र दिया– याद रखिए, जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं। दो गज की दूरी, मास्क है जरुरी। इस मंत्र को भूलना नहीं है। आपका स्वास्थ उत्तम रहे इसी कामना के साथ सबको धन्यवाद, शुभकामनाएं।

डोटासरा बड़े नेता के रुप में उभरे

सीकर। राजस्थान में कांग्रेस नेता सचिन पायलट को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाने के बाद शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा बहुत ही कम समय में प्रदेश कांग्रेस अध यक्ष बनकर न केवल जाट नेताओं में बल्कि राज्य में अपनी पार्टी में भी बड़े नेता के रुप में उभर कर सामने आये हैं। राज्य में पिछले दिनों चले सियासी संग्राम में डोटासरा को पायलट को हटाने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने का अवसर मिलने से उनकी प्रदेश में बड़े नेता के रुप में पहचान होने लगी हैं। कांग्रेस पार्टी में भी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं कांग्रेस के दिग्गज नेता नारायण सिंह चौधरी, डा चन्द्रभान, रामेश्वर डूडी, हेमाराम चौधरी एवं सुभाष महरिया सहित कई बड़े जाट नेता तथा प्रदेश में अन्य वर्ग में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दीपेन्द्र सिंह शेखावत, जितेन्द्र सिंह, राजेन्द्र पारीक सहित कई बड़े नेताओं के होते हुए भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं कांग्रेस आलाकमान ने डोटासरा पर

भरोसा जताया और वह अध्यक्ष बनकर सभी को साथ लेकर चलकर संगठन को और मजबूत करने के साथ अगले विधानसभा चुनाव में फिर से कांग्रेस की सरकार बनाने के प्रयास करने का दावा किया है। डोटासरा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद को संभाले महज डेढ़ महीना ही हुआ है और वह अपनी सटीक बयानबाजी और उन्होंने पिछली बार कांग्रेस सचेतक के रुप में जिस तरह से भूमिका निभाई, उसकी गहलोत सहित कांग्रेस के कई बड़े नेता प्रशंसा कर चुके है। उनके अध्यक्ष बनने के बाद शिक्षा मंत्री के पद पर भी बने रहने से भी उनको काफी अहमियत मिली हैं। वह सीकर जिले के रहने वाले हैं और वह अब तक तीन बार विध ायक चुने जा चुके है। वहां कई बड़े जाट नेताओं में वह उभरकर सामने आये हैं। इनमें कांग्रेस के नारायण सिंह, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुभाष महरिया एवं महादेव सिंह खंडेला, तथा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के दिग्गज नेता अमराराम चौधरी सहित कई जाट नेताओं के राजनीति में रहते डोटासरा ने अपने राजनीतिक कद को बढ़ाया है।

शार्ट सर्किट से कमरे में लगी आग, महिला और दो बच्चों की मौत

जौनपुर। जौनपुर जिले के मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र में शनिवार को कमरे में शॉर्ट सर्किट से आग लगने के कारण एक महिला और उसके दो मासूम बच्चों की मौत हो गई।

मडियाहूं इलाके के पुलिस उपाधीक्षक राजेंद्र प्रसाद ने घटना स्थल का निरीक्षण करने के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के सुइथा गांव निवासी मनोज गौतम की पत्नी सविता (३०)सविता दो बच्चों तीन वर्षीय पुत्र दीवान और आठ माह के दिग्विजय के साथ अपने कमरे में कूलर चला कर सो गई। कुछ देर बाद अचानक हाई–वोल्टेज के कारण कूलर में शॉर्ट सर्किट से कमरे में आग लग गई। उन्होंने बताया कि ध ुंआ निकलते देख सविता की सास कमरे की तरफ गई और दरवाजा खोला तो कमरे में आग एवं धुंआ के सिवा कुछ नहीं दिखाई नहीं पड़ रहा था। बूढ़ी सास ने चिल्लाने पर आसपास के लोगों ने किसी तरह तीनों को बाहर निकाला। जिसमें सविता, उसका बेटा दीवान की मौत हो चुकी थी जबकि आठ माह का दूध ामुहा बच्चे दिग्विजय की सांस चल रही थी, बच्चे की भी मड़ियाहूं सीएचसी ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।

वो जिंदा थी फिर भी पांच लोगों पर हत्या का मुकदमा

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया शहर में जिस महिला की हत्या के आरोप में पांच ससुरालियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया वह महिला पंजाब के अमृतसर में जिन्दा बरामद की गयी। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को कहा कि मोहल्ला ब्रमहनगर निवासी संजय सिंह ने छह सितम्बर को थाने में दी एक तहरीर में कहा था कि उसकी पत्नी रूचि उर्फ यात्रा रात करीब तीन बजे बिना बताये करीब सात लाख के रूपए के आभूषण व १८ हजार रूपए नकद लेकर कहीं चली गई है। वहीं ७ सितम्बर को रूहेली के पास सेंगर नदी में एक अज्ञात युवती का शव मिला जिसे पुलिस ने शिनाख्त के लिये रखवाया। उधर ८ सितम्बर को रूचि की मां स्नेहलता ने औरैया पहुंच पर उस शव की पहचान अपनी पुत्री के रूप में की और पति

संजय, जेठ सानू, जिठानी नेहा, सास गुड्डो देवी व ससुर कृष्ण प्रताप सिंह के विरूद्ध अतिरिक्त दहेज न मिलने पुत्री की हत्या कर शव को नदी में फेंके जाने का मुकदमा दर्ज करा दिया। पुलिस ने विवाहिता के ससुरालीजनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की, जिसमें पुलिस को हत्या जैसे कोई तथ्य नहीं मिले। पूछताछ में मिले तथ्यों के आधार पर विवाहिता की खोज शुरू की। पुलिस ने रूचि को शुक्रवार को पंजाब के अमृतसर से बरामद कर लिया। रूचि वहां कैसे पहुंची, किसके साथ गई आदि तमाम जानकारी के लिये पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस अधीक्षक सुनीति ने बताया कि लापता हुई रुचि ने खुद ही अपने परिजनों को फोन कर जिंदा होने की जानकारी दी। रुचि के ससुरालीजनों पर दर्ज दहेज हत्या का मामला बंद किया जायेगा।

कोरोना किट घोटाले को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

लखनऊ। कोरोना किट घोटाले को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को मार्च शुरू किया जिन्हें जीपीओ के पास सुरक्षा बलों ने रोक लिया। हल्की धक्का मुक्की के बाद

लखनऊ में जोरदार प्रदर्शन किया और सरकार विरोधी नारे लगाए। माल एवन्यू स्थित कांग्रेस दफ्तर से कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने जुलूस की शक्ल में विधानसभा की ओर कांग्रेसियों को पुलिस वैन में बैठाकर वहां से रवाना कर दिया गया। कांग्रेसी हाथ में तख्तियां लिये हुये थे जिसमें कोरोना किट घोटाले को लेकर नारे लिखे थे। कार्यकर्ता सरकार विरोधी नारे लगा रहे थे। उधर,कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट कर कहा " यूपी के लगभग सभी जिलों में कोरोना किट घोटाला हुआ है। कोरोना आपदा के समय जब लाखों लोगों की रोजी–रोटी पर खतरा है उस समय प्रदेश सरकार के अफसरों ने करोड़ों का वारा–न्यारा कर दिया। सवाल ये है कि क्या प्रदेश सरकार की रुचि हर बार घोटालेबाजों को बचाने की ही होती है।" गौरतलब है कि पल्स अक्सीमीटर और थर्मल स्कैनर की खरीद को लेकर सुल्तानपुर से भाजपा विधायक देवमणि द्विवेदी ने जिलाधिकारी पर घोटाले का आरोप लगाते हुये इसकी शिकायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की थी। योगी ने मामले की जांच के लिये एसआईटी का गठन किया है।

बुन्देलखण्ड के किसानों के हक की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ेंगे : लल्लू

महोबा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा है कि बुन्देलखण्ड का किसान कर्ज से दबा है और ऐसे में उनकी पार्टी किसानों के हक और अधिकार की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक

लड़ेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने शनिवार को बुन्देलखण्ड दौरे के तीसरे दिन महोबा पहुंचकर पीड़ित किसानों, मजदूरों के परिजनों से भेंट कर हौसला दिया। यहां की विभिन्न ग्रामों का दौरा करते हुए लल्लू ने कहा कि, "बुन्देलखण्ड का किसान कर्ज से दबा है, स्थिति बहुत बदतर है, कब्रगाह बना के छोड़ दिया है। फसल बर्बाद, बिजली, पानी का संकट, अन्ना जानवरों से परेशानी। बैंकों–साहूकारों का कर्ज, फसल बीमा का कोई लाभ नहीं मिल रहा है। हम किसानों को ऐसे नहीं देख सकते, उनके हक और अधिकार की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक लड़ेंगे।" अजय कुमार लल्लू ने अतिवृष्टि से फसलों की बर्बादी, कर्ज के बोझ और आर्थिक कठिनाइयों के चलते विगत दिनों तमाम गरीब किसानों द्वारा की गयी आत्महत्या के पीड़ित परिजनों से मिलकर उनका दुरूख–दर्द साझा किया। इस दौरान उन्होंने योगी सरकार पर किसान विरोधी रवैये का आरोप लगाते हुए कहा कि "फर्जी कर्जमाफी, सूदखोरों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जुमलेबाजी का दुष्परिणाम है कि आज अन्नदाता किसान अपनी जान गंवाने के लिए विवश हो रहा है।"

लखनऊ स्पोर्ट्स कॉलेज के पूर्व प्राचार्य विजय गुप्ता बर्खास्त

लखनऊ। राजधानी लखनऊ स्थित गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के पूर्व कार्यवाहक प्राचार्य विजय गुप्ता को बर्खास्त कर दिया गया है। खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उपेंद्र तिवारी ने बताया कि विजय गुप्ता ने जिस अनुभव प्रमाण पत्र के आधार पर स्पोर्ट्स कलेज में शिक्षक पद पर नौकरी हासिल की थी, वह फर्जी पाया गया है। बता दें कि फर्जी प्रमाणपत्र लगाकर नौकरी हासिल करने के आरोप में बर्खास्त किए गए विजय गुप्ता छह महीना पहले भ्रष्टाचार के आरोप में निलंबित किए जा चुके हैं। बीते दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सभी शिक्षकों की अंक तालिका और प्रमाणपत्रों की जांच करवाई गई, जिसमें विजय गुप्ता ने जिस प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने का प्रमाणपत्र लगाया था, उसके प्रिंसिपल ने इसे फर्जी बताया है। यही नहीं स्कूल को हाईस्कूल की मान्यता १५ सितंबर, २००० को व इंटर की मान्यता २७ अगस्त २००१ में मिली थी। मगर विजय गुप्ता ने अपने प्रमाणपत्र में जुलाई २००० से ही शिक्षक के तौर पर पढ़ाने का प्रमाण पत्र लगाया था। जो कि फर्जी है। उल्लेखनीय

है कि गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कलेज में विजय गुप्ता की शिक्षक पद पर भर्ती २३ दिसंबर २००४ को निकाले गए विज्ञापन के आधार पर हुई थी। इतिहास विषय के शिक्षक के पद पर भर्ती हुए गुप्ता ने यहां जो अंक तालिका व प्रमाणपत्र लगाए थे उसके अनुसार उन्होंने वर्ष २००० में एमए प्रथम वर्ष व लखनऊ से २००१ में बीपीएड किया और वर्ष २००२ में एमए फाइनल इयर की पढ़ाई पूरी की।वर्ष २००३ में कानपुर से बीएड कोर्स में पढ़ाई शुरू की, जबकि उन्होंने राजाजीपुरम में स्थित प्री डे एंड केयर में शिक्षक के रूप में वर्ष २००० से वर्ष २००५ तक पढ़ाने का अनुभव प्रमाणपत्र लगाया। ऐसे में लखनऊ स्थित स्कूल में शिक्षक के तौर पर पढ़ाने के साथ–साथ कानपुर से बीएड के रेग्युलर कोर्स में दाखिला कैसे लिया। स्कूल में जब अनुभव प्रमाणपत्र को सत्यापन के लिए भेजा गया तो वहां के प्रिंसिपल ने इसे फर्जी बताया। विजय गुप्ता को छह महीने पहले निर्माण व किट इत्यादि की खरीद में भ्रष्टाचार करने के आरोप में निलंबित किया गया था। इसकी जांच विशेष सचिव खेल राजेश कुमार कर रहे हैं। फिलहाल अभी भ्रष्टाचार के आरोप की जांच पूरी होती कि इससे पहले ही फर्जी प्रमाणपत्र लगाने के आरोप में इन्हें बर्खास्त कर दिया गया है।

क्राइम मीटिंग में बिफरे पुलिस कमिश्नर, मातहतों को लगाई फटकार

लखनऊ। पुलिस आयुक्त सुजीत पांडेय ने शनिवार रात में मातहतों के साथ बैठक की। इस दौरान वह कुछ इंस्पेक्टर की कारस्तानी पर बेहद खफा नजर आए। पुलिस आयुक्त ने करीब आधा दर्जन थानेदारों को जमकर फटकार लगाई। पुलिस आयुक्त ने इंस्पेक्टर आशियाना, गाजीपुर, अलीगंज, मड़ियांव और जानकीपुरम को कड़ी चेतावनी देते हुए कार्यशैली के सुधार लाने के निर्देश दिए। पुलिस आयुक्त ने गायत्री प्रजापति मामले में इंस्पेक्टर गौतमपल्ली और क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर की लापरवाही पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि किस तरह से मातहतों की लापरवाही से पूरे महकमे की किरकिरी होती है। पुलिस आयुक्त ने गाजीपुर थाने के इंस्पेक्टर को भी विवेचना को गंभीरता से न लेने पर फटकार लगाई। वहीं इंस्पेक्टर आशियाना को थाने से हटाने तक की बात भी कही। मड़ियांव में बढ़ते अपराध और लगातार आ रही शिकायतों पर इंस्पेक्टर को चेतावनी दी। इसके अलावा चिनहट पुलिस

को शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ करने और गाड़ियों का फर्जीवाड़ा करने वाले गिरोह का राजफाश करने पर बधाई दी और उनके सम्मान में तालियां भी बजवाई। पुलिस लाइन सभागार में दो भाग में मीटिंग बुलाई गई थी। इसके तहत पूर्वी जोन को पहले और सेंट्रल को बाद में बुलाया गया था।

भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे IPS अजय पाल व हिमांशु कुमार विजिलेंस जांच में मिले दोषी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भ्रष्टाचार और लापरवाही के मामलों में जीरो टॉलरेंस के निर्देशों के तहत कार्रवाई का सिलसिला जारी है। यूपी में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे आइपीएस अधिकारियों पर ग्रहण के बादल लगातार मंडरा रहे हैं। विजिलेंस ने भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे आइपीएस अधिकारी डॉ. अजय पाल शर्मा और हिमांशु कुमार के विरुद्ध जांच पूरी कर रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। सूत्रों का कहना है कि जांच में दोनों अधिकारी दोषी पाए गए हैं और उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की संस्तुति की गई है।विजिलेंस के अधिकारियों ने गौतमबुद्धनगर (नोएडा) प्रकरण के बाद भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे आइपीएस अधिकारी डॉ.अजय पाल शर्मा और हिमांशु कुमार के विरुद्ध जांच रिपोर्ट शासन को सौंपे जाने की पुष्टि की है। हालांकि अधिकारी जांच की गोपनीयता का हवाला देकर पूरे प्रकरण में चुप्पी साधे हैं। माना जा रहा है कि दोनों आरोपित आइपीएस अधिकारियों पर जल्द कार्रवाई की गाज गिर सकती है। ड.अजय पाल वर्तमान में पीटीसी उन्नाव और हिमांशु कुमार पीएसी में तैनात हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भ्रष्टाचार व लापरवाही के मामलों में जीरो टॉलरेंस के निर्देशों के तहत कार्रवाई का सिलसिला जारी है। सीएम योगी के कड़े निर्देशों का ही नतीजा है कि अब तक १२ से अधिक आइपीएस अधिकारियों के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की जा चुकी है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इससे पूर्व भ्रष्टाचार व ड्यूटी में लापरवाही के मामलों में डीआइजी दिनेश चंद्र दुबे, डीआइजी अरविंद सेन, एसपी अभिषेक दीक्षित, मणिलाल पाटीदार, अतुल शर्मा, एन कोलांची, डॉ.सतीश कुमार, एएसपी अपर्णा गुप्ता व अन्य पर कार्रवाई हो चुकी है। ध्यान रहे, गौतमबुद्धनगर के तत्कालीन एसएसपी वैभव कृष्ण ने शासन को गोपनीय पत्र लिखकर

पांच आइपीएस अधिकारी डॉ. अजय पाल शर्मा, हिमांशु कुमार, सुधीर कुमार सिंह, राजीव नारायण मिश्रा व गणेश शाहा पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे। वहीं वैभव कृष्ण एक आपत्तिजनक वीडियो क्लिप वायरल होने के बाद खुद भी जांच के घेरे में आ गए थे।शासन ने गौतमबुद्धनगर प्रकरण को बेहद गंभीरता से लिया था। नौ जनवरी २०२० को तत्कालीन गौतमबुद्धनगर के एसएसपी वैभव कृष्ण को निलंबित किए जाने के साथ ही तत्कालीन डीजी विजिलेंस हितेश चंद्र अवस्थी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित कर पांचों आइपीएस अधिकारियों पर लगे आरोपों की जांच सौंपी गई थी। एसआईटी ने जांच में मिले साक्ष्यों के आधार पर डॉ .अजय पाल शर्मा व हिमांशु कुमार के विरुद्ध विजिलेंस जांच की संस्तुति की थी। शासन के निर्देश पर मार्च २०२० में विजिलेंस ने दोनों आइपीएस अधिकारियों के विरुद्ध अपनी जांच शुरू की थी। सूत्रों का कहना है कि दोनों अफसरों की कुछ बेनामी संपत्तियों की भी जानकारी सामने आई है। गौतमबुद्धनगर प्रकरण में स्थानीय पुलिस ने कुछ अडियो क्लिप भी भेजी थीं। सूत्रों का कहना है कि एफएसएल की जांच में नमूने फेल हो गए थे। नमूने ठीक ढंग से नहीं जुटाए गए थे। माना जा रहा है कि अडियो क्लिप के नमूने दोबारा जुटाकर उनकी जांच कराई जाएगी।आइपीएस ड.अजय पाल शर्मा पर उनकी कथित पत्नी ने उत्पीड़न व झूठे मुकदमों में फंसाने के गंभीर आरोप लगाए थे। मामले में ड.अजय पाल के अलावा कुछ अन्य पुलिसकर्मी भी आरोपों के घेरे में हैं। मामला शासन के संज्ञान में आने पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। बाद में महिला की तहरीर पर लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली में एफआइआर दर्ज कराई गई थी। शासन ने उस मुकदमे की जांच विशेष अनुसंधान दल (एसआइटी) को सौंप दी थी।

योगी का लखनऊ तथा अन्य पांच शहरों में सतर्कता बरतने का निर्देश

लखनऊ। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण के राजधानी लखनऊ के साथ ही अन्य महानगरों में बढ़ते प्रसार को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने रविवार को टीम–११ के साथ अपने सरकारी आवास पर अनलक–४.० के साथ कोरोना संक्रमण पर अंकुश लगाने के प्रयास की समीक्षा की।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के कुछ जिलों में कोरोना वायरस संक्रमण की लगातार बढ़ती संख्या पर चिंता जताई है। उन्होंने अधिकारियों को लखनऊ के साथ गोरखपुर, प्रयागराज, कानपुर नगर, मेरठ में विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। उन्होंने लखनऊ में कोविड अस्पतालों में तब्दील प्राइवेट अस्पतालों को संक्रमित मरीजों के लिए मानक के अनुरूप स्तरीय सुविधाएं सुनिश्चित का निर्देश देते हुए कहा कि प्राइवेट अस्पताल कोविड संक्रमित मरीजों के उपचार के लिए सरकार से निर्धारित पैकेज के अनुसार ही धनराशि लें। साथ ही अक्सीजन सिलेंडर की कालबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है।आला अफसरों के साथ अनलाक की उच्च स्तरीय समीक्षा कर रहे मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड–१६ के प्रति जागरूकता के लिए पुलिस व प्रशासन मिलकर पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से अभियान चलाएं। मास्क न पहनने वालों के प्रति सद्भावनापूर्ण ढंग से प्रवर्तन कार्रवाई की जाए। इसका उद्देश्य लोगों को कोरोना काल में मास्क पहनने के महत्व से परिचित कराना होना चाहिए। उन्होंने कहा कोविड–१६ से बचाव व उपचार की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए प्रशिक्षित व कुशल मानव संसाधन को बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। इसके लिए चिकित्सकों, पैरामेडिक्स तथा

अन्य चिकित्सा कध्मयों को अधिक से अधिक संख्या में प्रशिक्षित कराया जाए। उन्होंने कहा कि सभी कोविड अस्पतालों में एचएफएनसी (हाई फ्लो नेजल कैन्युला), दवाई आदि सहित सभी आवश्यक वस्तुओं की निरन्तर उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी कोविड अस्पतालों में पीपीई किट, मास्क, ग्लव्ज, सेनिटाइजर आदि की उपलब्धता निरन्तर बनी रहे। कोविड अस्पतालों में अक्सीजन की आपूर्ति निरन्तर बनाये रखने की प्रभावी व्यवस्था की जाए। अक्सीजन की उपलब्धता ४८ घण्टे के बैकअप के साथ रहनी चाहिए। हर जगह पर अक्सीजन प्लाण्ट पूरी क्षमता के साथ चलाये जाएं तथा अक्सीजन की कालाबाजारी हर हाल में रोकी जाए। अक्सीजन की कालाबाजारी करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में कोविड–१६ के टेस्ट की संख्या ७५ लाख से अधिक होने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि टेस्टिंग की संख्या को एक करोड़ तक ले जाना है। इसी के साथ भरोसा जताया कि ३० सितंबर से पहले उत्तर प्रदेश दो करोड़ टेस्ट करने वाला पहला राज्य होगा। अब प्रतिदिन दो लाख टेस्ट करने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि निरन्तर अधिक से अधिक टेस्ट किये जाएं। अब तो जितने अधिक टेस्ट किये जाएंगे, कोविड–१६ के संक्रमण के प्रसार पर उतना ही प्रभावी नियंत्रण किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजनता को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं सुलभ कराने के लिए कृत–संकल्प हैं। प्रदेशवासियों को कोविड–१६ के संक्रमण से बचाव व उपचार के लिए राज्य सरकार हर सम्भव कदम उठाया रही है। उन्होंने कहा कि कोविड–१६ से बचाव के लिए इसके प्रति पूरी सावधानी बरते जाने की आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए कोविड–१६ से बचाव के लिए जागरूकता कार्यक्रम निरन्तर संचालित किये जाएं।

पुलिस ने तीन शातिर चोरों को किया गिरफ्तार

लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस व सर्विलांस सेल डीसीपी साउथ की संयुक्त टीम द्वारा तीन शातिर चोरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार अभियुक्त गणों के पास से ६ मोबाइल फोन ४ ब्लैंक एटीएम कार्ड

एक अवैध तमंचा दो जिंदा कारतूस एक खोखा कारतूस एक चोरी की मोटरसाइकिल एवं १७ हजार रुपए नगद पुलिस ने किया बरामद पुलिस द्वारा जानकारी के मुताबिक निरीक्षक रफी आलम उप निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद उप निरीक्षक सचिन कुमार सिंह एवं सर्विलांस सेल डीसीपी साउथ उपनिरीक्षक योगेंद्र कुमार सिंह टीम प्रभारी के साथ मोहनलालगंज के एक निजी अस्पताल के पास मौजूद थे तभी कुछ संदिग्ध युवक आते हुए दिखाई पड़े जो पुलिस को देख कर भागने का प्रयास करने लगे पुलिस ने दौड़ाकर उन्हें मौके पर ही दबोच लिया नाम पता पूछने पर उन्होंने अपना नाम नीरज सिंह पुत्र ओमप्रकाश निवासी ग्राम उसका मऊ थाना हलिया मऊ जनपद सुल्तानपुर व महेंद्र सिंह पुत्र उमानाथ सिंह निवासी गण उपरोक्त व राघवेंद्र पाल उर्फ सागर पुत्र लाल बहादुर पाल निवासी मुंशी खेड़ा ट्रांसपोर्ट नगर थाना सरोजिनी नगर जनपद लखनऊ व शिवम पुत्र जयनारायण सिंह निवासी गौरी थाना सरोजिनी नगर जनपद लखनऊ जो फरार चल रहा है जिसकी पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है अभियुक्त गणों के कब्जे से संयुक्त टीम द्वारा छह चोरी के मोबाइल फोन ४ ए टी एम कार्ड ब्लैंक एक अवैध तमंचा दो जिंदा कारतूस एक चोरी की मोटरसाइकिल व १७ हजार रुपए नगद पुलिस ने किया बरामद पुलिस अभियुक्त गणों को गिरफ्तार कर मोहनलालगंज कोतवाली लेकर आई अभियुक्त गणों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया प्रेस वार्ता में पुलिस उपायुक्त दक्षिणी रईस अख्तर ने बताया अभियुक्त गण शातिर किस्म के चोरी के अपराधी हैं जो राह चलते लोगों से मोबाइल फोन छीन कर भाग जाते थे एवं मोबाइल चोरी भी करते थे यह लोग मोबाइल छिनैती के समय चोरी की मोटरसाइकिल उपयोग में लाते थे मोटरसाइकिल चोरी करके उसके नंबर प्लेट को बदलकर दूसरा नंबर डाल देते थे अभियुक्त महेंद्र सिंह व अभियुक्त नीरज सिंह २०१८ में नोएडा में एटीएम क्लोन बनाने की ३ माह की ट्रेनिंग ली तत्पश्चात स्कीमर चीप मशीन अनलाइन खरीद कर कुर्ला मुंबई में स्वयं एटीएम से पैसा निकालने का काम शुरू कर दिया विगत ६ माह में करीब ३० से ३५ लाख रुपए स्कीमर चिप मशीन के माध्यम से ब्लैंक एटीएम बनाकर पैसा निकाल चुके हैं।

पुलिस और इनामी बदमाश के बीच हुई मुठभेड़ बदमाश गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत बल सिंह खेड़ा इलाके में पुलिस और बदमाशों के बीच में चेकिंग के दौरान मुठभेड़ हो गई जिसमें २५ हजार रुपये इनामी बदमाश को पुलिस व क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार कर लिया पुलिस और बदमाशों की मुठभेड़ के बीच बदमाश के पैर में गोली लगीं है पकड़े गए आरोपी का एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया।

गोली लगने से घायल बदमाश को तत्काल पुलिस नहीं इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के बलसिंह खेड़ा इलाके में बीती रात को पुलिस टीम संदिग्ध वाहनों व व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान बिना नंबर बाइक से दो संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो वह बाइक घुमाकर भागने लगा अचानक बाइक मोड़ने से उसका एक साथी बाइक से गिर गया वही बाइक सवार बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर वहां से भाग निकला वही उसका दूसरा साथी जंगल की ओर भागने लगा पुलिस टीम को पीछे आता देख बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी वही पुलिस टीम ने भी जवाबी फायरिंग की जिसमें बदमाश के पैर में गोली लगी गोली लगने से घायल हुआ बदमाश को पुलिस ने तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनलालगंज भेजा जहां से उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया आरोपी की पहचान अनिल उर्फ करिया पुत्र ओमप्रकाश निवासी शतावरी का पुरवा थाना बिधनू कानपुर के रूप में हुई पुलिस ने बताया कि आरोपी को ऊपर मोहनलालगंज कोतवाली में कई मुकदमे पंजीत है वही आरोपी के ऊपर कानपुर पुलिस द्वारा २५ हजार का इनाम घोषित है। वहीं आरोपी के पास से पुलिस ने ३१५ बोर का तमंचा दो जिंदा कारतूस एक खोखा कारतूस सहित गिरफ्तार किया।

प्रदेश भर में पॉलीटेक्निक प्रवेश परीक्षा आयोजित

लखनऊ। पॉलीटेक्निक संस्थानों में प्रवेश के लिए राजधानी समेत प्रदेश भर में पॉलीटेक्निक प्रवेश परीक्षा आयोजित हुई। राजधानी के ३६ व प्रदेश भर में ६२८ केन्द्रों पर शुरू हुई परीक्षा के दौरान करीब ४ लाख परीक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल होना था लेकिन इसमें अलग–अलग जिलों में कई परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी है। परीक्षा शुरू होने के पहले ही पहली पाली में करीब डेढ़ घंटे पहले ही परीक्षार्थियों को केन्द्रों पर बुलाया गया। थर्मल स्क्रीनिंग के साथ सभी परीक्षार्थियों का ट्रेंप्रेचर भी नापा गया। लेकिन इस दौरान केन्द्र में प्रवेश करते समय सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं हो सका। अधिकारियों ने बताया कि दोनो ही पालियों में शांतिपूर्ण परीक्षा निपट गई, लेकिन कई जिलों में छात्रों ने परीक्षा भी छोड़ी है। बता दें कि पॉलीटेक्निक प्रवेश परीक्षा इस बार दो दिनों में आयोजित होनी थी जिसमें १२ सितंबर को पहली परीक्षा आयोजित हुई और १५ सितंबर को दूसरे दिन की परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा देकर निकले परीक्षार्थियों ने बातचीत में अमृत विचार से बताया कि गणित और रसायन विज्ञान के कई प्रश्न थे जिसको हल करने में समय भी लगा और वह कठिन भी थे। पहली पाली में कुल १०० प्रश्न पूछे गए। जिसमें ५० गणित, २५ भौतिक विज्ञान और २५ रसायन विज्ञान से थे। परीक्षा का समय सुबह ६ से दोपहर १२ बजे तक रहा। कोविड १६ और अधिक शारीरिक तापमान पाले अभ्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था अलग की गई। पॉलीटेक्निक प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन परीक्षा १५ सितंबर को आयोजित की जाएगी। १५ अन्य ग्रुप (बी,सी, डी, एफ,जी, एच, आई)– सुबह ६ से १२ लेटरल एंट्री के ग्रुप (१ से ८ तक) दोपहर २ :३० से ५:३० सयम निर्धारित है। "पहली पाली के प्रश्नपत्र में गणित और रसायन विज्ञान के प्रश्न काफी कठिन थे। कुल १०० प्रश्न पूछे गए थे। पेपर कठिन होने के कारण वह तीन घंटों में ८३ प्रश्नों के हल कर पाया।"मयंक मिश्रा अमीनाबाद इंटर कलेज "गणित के सवाल भी काफी कठिन थे। गणित में सबसे अधिक प्रश्न सांख्यिकी, सर्किल और त्रिभुज से संबंधित थे, ऐसे में मात्र ६० प्रश्नों को हल किया जा सका है। लेकिन उम्मीद है कि मेरिट अच्छी होगी।"यश श्रीवास्तव अमीनाबाद इंटर कॉलेज।

अद्भुद गणेश जीः विदेशों में भी पूज्य गणेश जी

अमरेन्द्र सहाय अमर

बहुत प्राचीन बात है. एक बार नैमिषारण्य में कथाकार सूतजी पधारे. उन्हें आया देखकर वहां रहने वाले ऋषि मुनियों ने उनका अभिवादन आदर और सत्कार किया. इसके बाद सभी ऋषि–मुनि अपने–अपने आसन पर बैठ गए तब उन्हीं में से किसी एक ने सूतजी से कहा– ''हे सूत जी ! आप लोक और लोकोत्तर के ज्ञान–ध्यान से परिपूर्ण कथा वाचन में सिद्धहस्त हैं. हमारा आप से निवेदन है कि आप हमें हमारा मंगल करने वाली कथाएँ सुनायें.'' ऋषि–मुनियों से आदर पाकर सूतजी प्रसन्न हुए. उन्होंने कहा– ''आपने जो मुझे आदर दिया है वह सराहनीय है. मैं यहां आप लोगों को परम कल्याणकारी कथा सुनाऊंगा..' सूतजी ने कहा–''बह्मा, विष्णु, महेश, ब्रह्म के तीन रूप हैं. मैं स्वयं उनकी शरण में रहता हूं. यद्यपि विष्णु संसार पालक हैं और वह ब्रह्मा की उत्पन्न की गयी सृष्टि का पालन करते हैं. ब्रह्मा ने ही सुर–असुर, प्रजापति तथा अन्य यौनिज और अयौनिज सृष्टि की रचना की है. रुद्र अपने सम्पूर्ण कल्याणकारी कृत्य से सृष्टि के परिवर्तन का आधार प्रस्तुत करते हैं. पहले तो मैं तुम्हें बताऊंगा कि किस प्रकार प्रजाओं की सृष्टि हुई और फिर उनमें सर्वश्रेष्ठ देव भगवान गणेश का आविर्भाव कैसे हुआ. भगवान ब्रह्मा ने जब सबसे पहले सृष्टि की रचना की तो उनकी प्रजा नियमानुसार पथ में प्रवृत्ति नहीं हुई. वह सब अलिप्त रह गए. इस कारण ब्रह्मा ने सबसे पहले तामसी सृष्टि की, फिर राजसी. फिर भी इच्छित फल प्राप्त नहीं हुआ. जब रजोगुण ने तमोगुण को ढक लिया तो उससे एक मिथुन की उत्पत्ति हुई. ब्रह्मा के चरण से अधर्म और शोक से इन्सान ने जन्म लिया. ब्रह्मा ने उस मलिन देह को दो भागों में विभक्त कर दिया. एक पुरुष और एक स्त्री. स्त्री का नाम शतरूपा हुआ. उसने स्वयंभू मनु का पति के रूप में वरण किया और उसके साथ रमण करने लगी. रमण करने के कारण ही उसका नाम रति हुआ. फिर ब्रह्मा ने विराट का सृजन किया. तब विराट से वैराज मनु की उत्पत्ति हुई. फिर वैराज मनु और सतरूपा से प्रियव्रत और उत्तानुपात दो पुत्र उत्पन्न हुए और आपूति तथा प्रसूति नाम की दो पुत्रियां हुईं. इन्हीं दो पुत्रियों से सारी प्रजा उत्पन्न हुई. मनु ने प्रसूति को दक्ष के हाथ में सौंप दिया। जो प्राण है, वह दक्ष है और जो संकल्प है, वह मनु है. मनु ने रुचि प्रजापति को आपूति नाम की कन्या भेंट की. फिर इनसे यज्ञ और दक्षिणा नाम की सन्तान हुई। दक्षिणा से बारह पुत्र हुए, जिन्हें याम कहा गया. इनमें श्रद्धा, लक्ष्मी आदि मुख्य हैं. इनसे फिर यह विश्व आगे विकास को प्राप्त हुआ. अधर्म को हिंसा के गर्भ से निर्कति उत्पन्न हुई और अन्निद्ध नाम का पुत्र उत्पन्न हुआ. फिर इसके बाद यह वंश क्रम बढ़ता गया। कुछ समय बाद नीलरोहित, निरुप, प्रजाओं की उत्पत्ति हुई और उन्हें रुद्र नाम से प्रतिष्ठित किया गया. रुद्र ने पहले ही बता दिया था कि यह सब शतरुद्र नाम से विख्यात होंगे. यह सुनकर ब्रह्माजी प्रसन्न हुए और फिर इसके बाद उन्होंने पृथ्वी पर मैथुनी सृष्टि का प्रारम्भ करके शेष प्रजा की सृष्टि बन्द कर दी. सूतजी की बातें सुनकर ऋषि–मुनियों ने कहा, ''आपने हमें जो बताया है उससे हमें बड़ी प्रसन्नता हुई है. आप कृपा करके हमें हमारे पूजनीय देव के विषय में बताइये,जो देवता हमें पूज्य हो और उसकी ंपा से हमारे और आगे आने वाली प्रजाओं के कल्याणकारी कार्य सम्पन्न हों.'' ऋषियों की बात सुनकर सूतजी ने कहा कि ऐसा देव तो केवल एक ही है और वह है महादेव और पार्वती के पुत्र श्री गणेश. भगवान् गणेश प्रथम पूज्यनीय है. वह विदेशों में भी प्रचलित और पूज्य है. थाईलैंड के चाचोइंगशाओ शहर को सिटी अफ गणेश के नाम से जाना जाता है. यहां भगवान गणेश की तीन ऊंची प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं. थाईलैंड के ख्लॉन्ग ख्वेन गणेश इंटरनेशनल पार्क में ३६ मीटर ऊंची भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई है. इसे दुनिया में सबसे ऊंची प्रतिमा माना जाता है. गणेश पार्क में स्थापित मूर्ति के सिर पर कमल का फूल और उसके बीच में 'ओम' बनाया गया है. इस मूर्ति को कांसे के ८५४ अलग–अलग हिस्सों से मिलाकर बनाया गया है. इसके अलावा फ्रांग अकात टेंपल में ४६ मीटर की ऊंची प्रतिमा है. इस प्रतिमा में भगवान गणेश को बैठा हुआ दिखाया गया है. थाईलैंड के समन वत्तानरम टेंपल में भगवान गणेश की १६ मीटर ऊंची और २२ मीटर लंबी प्रतिमा भी लगाई गई है. इसके अलावा छोटी–छोटी दूसरी मूर्तियां भी लगाई गई हैं. साल २०१२ में भगवान गणेश की दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा की स्थापना थाईलैंड में की गई थी. मूर्ति समेत पूरे पार्क को बनाने में २००८ से लेकर २०१२ तक चार साल का समय लगा. ख्लॉन्ग ख्वेन गणेश इंटरनेशनल पार्क में ३६ मीटर यानि १३० फीट की भगवान गणेश की प्रतिमा मुख्य आकर्षण है. इसे देखने के लिए दूरदराज से पर्यटक पहुंचते हैं. पार्क में भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा भी है. खास बात यह है कि पार्क में भगवान गणेश की विभिन्न मुद्राओं में ३२ प्रतिमाएं लगाई गई हैं. जबकि, एक म्यूजियम भी है. थाईलैंड में बड़ी संख्या में बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं, बावजूद भगवान गणेश पर उनकी काफी श्रद्धा है. विभिन्न अवसरों पर बड़ी संख्या में लोग मंदिर और पार्क में पहुंचते हैं।

सब्जियों के बढ़े दामों ने आमजन की मुसीबतें बढ़ाईं

लखीमपुर–खीरी। कोरोना काल मे हुए लॉकडाउन ने आम आदमी की कमर तोड़ कर रख दी थी, और अब बाजारों के खुलने के बाद खाने–पीने खासकर सब्जियों के बढ़े दामों ने आमजन की मुसीबतें और बढ़ा दी हैं। आलू, प्याज जैसी आम सब्जियों के दाम भी इन दिनो आसमान छू रहे हैं। बाजार मे आलू ३५ रुपए से लेकर ४५ रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है, वहीं प्याज ४० से ५० रुपए के बीच बेचा जा रहा है, टमाटर भी ४५ से ५० रुपए मे हो गया है। सब्जियों के बढ़ते दामों को लेकर जिम्मेदार भी कोई कार्यवाही करने के मूड मे नही दिख रहे हैं। लॉकडाउन के दौरान जिलाधिकारी खीरी ने सब्जियों की रेट लिस्ट जारी की थी, किंतु वह जारी होते ही धराशाई हो गई थी, क्योंकि जिन अधिकारियों के कंधो पर इसे लागू कराने की जिम्मेदारी थी वह कोरोना के भय से अपने वातानुकूलित ऑफिसों मे बैठकर ही कार्यवाही कर रहे थे। फिलवक्त सब्जियों के बढ़ते हुए दामो पर जिम्मेदार अधिकारियों को ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि इसके प्रति लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

कर्मचारियों की कार्यशैली से जनता त्रस्त

मोहम्मदी–खीरी। डाक विभाग मोहम्मदी के कर्मचारियों की कार्यशैली से जनता त्रस्त हो चुकी है, रात १०.०० बजे से ही आधार कार्ड में संशोधन करवाने के लिए जनता की भीड़ यहां लग जाती है, वहीं कुछ महिलाएं भी आधार कार्ड में संशोधन के लिए गुजारती हैं रात इतना ही नहीं रात गुजारने के बाद भी खाली हाथ लौटना पड़ता है घर कई दिन से लगा रहे हैं चक्कर नहीं हो पा रहा है आधार कार्ड में संशोधन सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हरियाली दिखने वालों का तत्काल आधार कार्ड में किया जाता है संशोधन वही प्रेग्नेंट महिलाओं को लगाया जाता है लाइन में भीड़ में अगर कोई घटना घटित हुई तो इसका कौन होगा जिम्मेदार बगैर मास्क लगाए आप डाक घर के अंदर कर सकते हैं प्रवेश कोई रोक–टोक नहीं वही डाकघर के जिम्मेदार से जानकारी लेना चाहिए कि यहां सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं बगैर मास्क लोग प्रवेश कर रहे हैं गेट पर कोई सुविधा नहीं है आखिर इसका कारण क्या है तो उन्होंने बताया मैं कर्मचारियों को समझा रहा हूं लेकिन कुछ कर्मचारी माक्स नहीं लगा रहे हैं और उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी और खास बात या है कर्मचारी कम होने के कारण सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ रही हैं।

अपने पूर्वजों के नाम पर एक पौधा अमावस्या के दिन लगाएं

लखीमपुर–खीरी। हिंदुस्तान युवा उत्थान समिति के द्वारा आयोजित वर्चुअल बैठक में रजनीकांत ने वृक्षारोपण करने का आह्वान किया जागरूकता करते हुए उपस्थित वर्चुअल सभी लोगों से गांव–गांव मोहल्ला सड़क के किनारे पगडंडी पर छत पर लान में अपने पूर्वजों के नाम पर पौधारोपण अवश्य करें रजनीकांत ने कहा कि वृक्षों की उपयोगिता के बारे में लोग ज्यादा कुछ नहीं जानते इसलिए वृक्षों के प्रति उनका लगाव कम है वन ही जीवन है धरती में रहने वाले समस्त प्राणियों का जीवन वन से ही है कोरोना काल में औषधि पौधे ही हमें नवजीवन देते हैं वृक्षारोपण एक वृक्ष हजारों पुत्र समान ,वृक्ष लगाओ–पर्यावरण बचाओ,अगर वृक्ष ना बचेंगे –शांति कभी ना पाओगे, वृक्ष लगाओ स्वस्थ हवा पाओ स्वस्थ वातावरण के लिए वृक्ष हम सब का जीवन स्वस्थ और सुंदर खिल उठेंगे। समाजसेवी रजनीकांत ने आगे कहा कि पर्यावरणप्रत्येक व्यक्ति के संयुक्त प्रयास से ही हो सकता है। वनस्पतियों के सानिध्य व संपर्क से मनुष्य में सौम्य संवेदनाओं का विकास होता है। पितृपक्ष में किया हुआ दान तर्पण अपने अपने पूर्वजों के नाम पर एक पौधा अमावस्या के दिन लगाइए.आप सभी एक–एक पेड़ लगाएं कहीं भी, उस पर थोड़ा सा ध्यान दीजिए उसकी रक्षा कीजिए यकीन जानिए वे खुद बड़े हो जाएंगे वह पेड़ स भविष्य में आपको आपके आने वाले पीढ़ी को आपके द्वारा लगाए गए पौधे का लाभ अवश्य मिलेगा। जन जागरूकता मैं प्रमुख रूप से सभी लोगों ने आश्वस्त किया कि हम सब लोग अपने आसपास रिश्तेदार मित्र से आग्रह करेंगे और पूरा प्रयास करेंगे कि वह अमावस्या के दिन एक पौधा रोपण करें।

मुख्यमंत्री नें की प्रतिभाशाली छात्रा सुदीक्षा भाटी की याद में 'प्रेरणा स्थल' और एक पुस्तकालय का निर्माण करने की घोषणा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने १० अगस्त को राज्य में एक सड़क दुर्घटना में मारी गई प्रतिभाशाली छात्रा सुदीक्षा भाटी की याद में 'प्रेरणा

स्थल' और एक पुस्तकालय का निर्माण करने की घोषणा की है। सुदीक्षा अमेरिका में पढ़ाई कर रही थी और अपने परिवार से मिलने वापस देश आई थी। वह दादरी से बुलंदशहर अपने स्कूटी पर अपने चाचा के साथ जा रही थी, तभी दो आदमियों द्वारा घेरे जाने के कारण वाहन से गिरने के दौरान उसकी मौत हो गई। बाद में 'दुर्घटना' में सुदीक्षा की मौत के संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। वहीं मुख्यमंत्री ने सुदीक्षा भाटी के परिवार के सदस्यों को २० लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की। वह रविवार सुबह अपने आधिकारिक आवास पर उनसे मिले। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार परिवार को पांच लाख रुपये देगी, जबकि सांसद सुरेंद्र नागर भी पांच लाख रुपये देंगे। बैठक के दौरान परिवार के साथ विधायक तेजपाल नागर और सांसद सुरेंद्र नागर भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने परिवार और उनकी आय के स्रोतों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया और कहा कि सुदीक्ष भाटी की मृत्यु राष्ट्र के लिए एक क्षति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुदीक्षा की स्मृति में जो पुस्तकालय स्थापित किया जाएगा, वह अन्य छात्रों को मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करेगा। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए परिवार ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया और कहा कि उनसे मिलने के बाद वे 'संतुष्ट' थे।

रिया ड्रग केस की जांच में एनसीबी की रडार पर ३ बॉलीवुड हस्ती

नई दिल्ली। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में ड्रग एंगल की जांच में हिरासत में ली गई अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के द्वारा पूछताछ किए जाने के दौरान बलीवुड की कई हस्तियों को बेनकाब किया है। रिया ने जिनके नाम का खुलासा किया है, उनमें दो नवोदित अभिनेत्री सहित एक फैशन डिजाइनर भी शामिल है जिन्हें एक जाने–माने अभिनेता का दोस्त भी बताया जा रहा है। एनसीबी ने इन तीनों को ही जांच के दायरे में रखा है। बताया जा रहा है कि पूछताछ के दौरान रिया ने यह

कबूला कि इन तीन महिलाओं ने उनके और अभिनेता सुशांत सिंह के साथ ड्रग्स लिया है। इनमें से एक की पहचान सुशांत संग थी, जबकि बाकी के दो रिया की तरफ से थीं। रिया ने एजेंसी को बताया है कि बॉलीवुड के ८० फीसदी सेलेब्रिटीज ड्रग्स का सेवन करते हैं। ऐसी भी खबरें हैं कि एनसीबी द्वारा ड्रग एंगल की जांच में २५ प्रमुख बलीवुड हस्तियों को तलब किए जाने की संभावना है। एनसीबी को दिए अपने बयान में रिया ने सुशांत के लिए ड्रग्स की खरीद में उनकी भूमिका को स्वीकारा और साथ ही पैसे के लेनदेन को संभालने की बात पर भी हांमी भरी।

शाहरुख के साथ फिर जोड़ी जमायेगी दीपिका!

मुंबई। बॉलीवुड के किंग खान शाहरूख खान और डिंपल गर्ल दीपिका पादुकोण की जोड़ी सिल्वर स्क्रीन पर फिर साथ नजर आ सकती है। शाहरुख खान अंतिम बार फिल्म 'जीरो' में नजर आए थे, तब से फैंस उनके अगले प्रॉजेक्ट की घोषणा के इंतजार में हैं। इस बीच कहा जा रहा है कि तमिल डायरेक्टर एटली कुमार की फिल्म में शाहरुख खान ने दीपिका पादुकोण के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म का नाम 'सनकी' रखा गया है। दीपिका पादुकोण की फिल्म की कहानी बहुत पसंद आई है। यदि यह जोड़ी इस फिल्म में साथ आती

है तो यह चौथा मौका होगा जब दोनों एक साथ काम करने जा रहे हैं। इसके पहले शाहरुख और दीपिका ने 'ओम शांति ओम', 'चेन्नई एक्सप्रेस' और 'हैपी न्यू ईयर' में काम किया है। बताया जा रहा है कि मूल रूप से यह फिल्म हिंदी और तमिल में बनाई जाएगी और बाकी प्रमुख भाषाओं में इसकी डबिंग करके रिलीज की जाएगी। फिल्म के साल २०२१ की शुरुआत में फ्लोर पर आने की उम्मीद थी लेकिन कोविड–१६ की स्थिति देखते हुए शेड्यूल तय किए जाएंगे।

महाराष्ट्र को बदनाम करने का षड्यंत्र : उद्धव ठाकरे

मुंबई। राजनीतिक और कोरोना वायरस दोनों ही मोर्चे पर विरोधियों की आलोचनाओं का सामना कर रहे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आज कहा कि महाराष्ट्र को बदनाम करने का एक षड्यंत्र चल रहा है। ठाकरे ने टेलीविजन पर जनता को संबोधित करते हुए कहा, ''जो भी राजनीतिक तूफान आएगा, मैं उसका सामना करूंगामैं कोरोना वायरस से भी मुकाबला करूंगा। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के मामले १० लाख के पार होने के एक दिन बाद ठाकरे ने कहा कि उनकी सरकार ने महामारी से निपटने के लिए प्रभावी कार्य किया है। अभिनेत्री कंगना रनौत के मुंबई स्थित कार्यालय के एक हिस्से को ढहाने और अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले में राज्य सरकार के कदमों को लेकर राजनीतिक आलोचनाओं की पृष्ठभूमि में बोलते हुए ठाकरे ने लोगों को भरोसा दिया कि वह राजनीतिक संकट से भी लड़ेंगे। ठाकरे ने कहा, ''राजनीति पर जवाब देने के लिए मुझे मुख्यमंत्री का मुखौटा उतारना होगा। मैं नहीं बोलता इसका यह मतलब नहीं कि मेरे पास जवाब नहीं है।

सुशांत मामला : एनसीबी ने मुंबई, गोवा से ६ और को किया गिरफ्तार

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले से जुड़े ड्रग एंगल की जांच के सिलसिले में एनसीबी, मुंबई जोन ने कम से कम छह और लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी

ने यहां यह जानकारी दी। मुंबई से गोवा तक जारी छापे में, जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े की अगुवाई वाली टीमों ने करमजीत सिंह आनंद (२३) को गिरफ्तार किया है। उसके पास से गांजा और चरस जैसे प्रतिबंधित मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं। एक गांजा आपूर्तिकर्ता, डिवान एंथनी फर्नांडीस, को दो अन्य लोगों के साथ दादर (पश्चिम), मुंबई से गिरफ्तार किया गया। एनसीबी ने उनके पास से आधा किलो गांजा बरामद किया है। इसके अलावा, अंकुश अरेंजा (२६) नाम के एक शख्स को पवई से पकड़ा गया था। अरेंजा को करमजीत से प्रतिबंधित मादक पदार्थ के रिसीवर के रूप में बताया गया है और इसे उसी मामले में पहले गिरफ्तार एक अन्य आरोपी अनुज केशवानी को भी आपूर्ति की है। एनसीबी ने अरेंजा के पास से ४२ ग्राम चरस और १,१२,४०० रुपये नकद बरामद किए हैं। एनसीबी के उप निदेशक के.पी.एस. मल्होत्रा ने कहा कि एनसीबी, गोवा सब जोन ने इसी मामले में एक शख्स क्रिस कोस्टा को गिरफ्तार किया है और आगे की जांच चल रही है। एनसीबी ने मीडिया के कुछ वर्गों में लगाई जा रही इन अटकलों का भी खंडन किया है कि बौंलीवुड की कई जानीमानी हस्तियां इसके रडार पर हैं या इसकी जांच की जा रही है।

'अचानक हुई गड़बड़ियों' से परेशान हो गई है कंगना

मुंबई। अभिनेत्री कंगना रनौत ने शिवसेना की अगुवाई वाली महाराष्ट्र सरकार के साथ चल रहे अपने टकराव के बीच एक रहस्यमयी पोस्ट लिखी है। रविवार को कंगना ने ट्वीट किया, इन अव्यवस्था के बीच कुछ ऐसे ठहराव आते हैं जो मुझे घेर

लेती हैं। मैं कहा हूं? मैं नहीं जान पाती हूं। मुझे अब तक जिन्दगी में जो मुश्किलें आईं उनसे मैं मुश्किल से निपट पाई लेकिन इतना कुछ करने के बाद भी फिर से मेरे सामने चुनौतियां आ खड़ी हुई हैं। इसके साथ उन्होंने अपनी एक तस्वीर भी पोस्ट की जिसमें वह विचारों में डूबी दिखाई देती हैं। अभिनेत्री और राज्य सरकार के बीच तनाव की शुरूआत तब हुई जब उन्होंने मुंबई की तुलना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से की और शहर की पुलिस पर निशाना साधा। इस बीच ६ सितंबर को केंद्र सरकार द्वारा दी गई वाई–प्लस सुरक्षा के बीच वह मुंबई पहुंची।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक